JAIPUR INTERNATIONAL FILM FESTIVAL
7-Jai Jawan Colony-1st, JLN Road, Jaipur-302018
+91-141-6500601 www.jiffindia.org e-mail: info@jiffindia.org jiffindia@gmail.com

प्रेस रिलीज

नेशनल फिल्म अवार्ड वाया जीफ (JIFF)
महज तीन वर्ष में ही धाक जमी जीफ(JIFF)
विश्व के श्रेष्ठ समारोहों की कतार में आ खड़ा हुआ जीफ(JIFF)

जयपुर, 21 मईः तीन वर्ष का समय बहुत ज्यादा नहीं होता है किसी भी समारोह की पहचान और प्रतिष्ठा बनाने के लिए। जयपुर इंटरनेशन फिल्म फैस्टिवल ने ये कर दिखाया है वो भी केवल तीन वर्ष में ही। जीफ के अभी तक मात्र तीन संस्करण आयोजित हुए हैं। तीनों ही संस्करणों में अर्वाडेड फिल्मस को हर वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। 19 मई को घोषित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में तो जीफ 2011 में चयनित तीन फीचर फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। प्रथम तथा द्वितीय संस्करण की फिल्मों को भी राष्ट्रीय पुरस्कार मिले थे इसके साथ ही जीफ ने हैट्रिक बना ली है। दुनिया के किसी भी समारोह के लिए यह गौरव की बात हो सकती है।

संभवतः जीफ दुनिया का पहला समारोह होगा जहां अर्वाडेड फिल्मों को बाद में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिले हो। कहना न होगा कि निकट भविष्य में नेशनल फिल्म अवार्ड्स का रास्ता वाया जीफ हो। ये पुरस्कार जीफ की प्रीव्यू कमेटी और ज्यूरी के सही निर्णय का परिणाम है। इसकी वजह ये भी हैं कि आयोजकों ने कभी भी प्रीव्यू कमेटी और ज्यूरी के बीच दखलदांजी नहीं की। समारोह के निदेशक हनु रोज ने बताया कि अवार्ड फंक्शन से महज तीन घंटे पूर्व में ज्यूरी के निर्णय को देखता हूं। अन्य किसी भी व्यक्ति को इसकी जानकारी तक नहीं होती है। अब हमारी निर्णयात्मक पारदर्शिता के अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। यह उपलब्धि किसी भी समारोह के लिए अंतराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरने का प्रमाण है।

निम्न फिल्मों को जीफ में अवार्ड मिलने के बाद राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में चुना गया हैः–

जीफ 2009	करना मोचम (शार्ट फिल्म, निदेशक–एस मुरली मनोहर), जीफ में बेस्ट शार्ट फिल्म का और फिर नेशनल फिल्म अवार्ड
जीफ 2010	गारूड़ (शार्ट फिल्म, निदेशक–दीपु एस.उन्नी), जीफ में बेस्ट सिनेमोटोग्राफी का अवार्ड फिर वही अवार्ड नेशनल फिल्म अवार्ड्स में
जीफ 2011	1. बेस्ट मलयालम फिल्म के लिए नेशनल फिल्म अवार्ड वीटटीइक्कुल्लअ वजही (द वे होम) (फिचर फिल्म, निदेशक–डा. बीजू)

2. बेस्ट मराठी फिल्म के लिए नेशनल फिल्म अवार्ड
माला आई वहापच्ची (आई वांट टू बी अ मदर), जीफ में बेस्ट एक्ट्रेस और डायरेक्टर फर्स्ट का अवार्ड जीता था। (निदेशक–सम्रुद्दी पोरे)

3. बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट के लिए नेशनल फिल्म अवार्ड
आई एम कलाम (फीचर फिल्म, निदेशक–निला मदाभ पाण्डा)

नेशनल फिल्म अवार्ड मिलने के बाद दीपू.एस उन्नी ने कहा कि 'जीफ ने मेरे आत्मविश्वास को मजबूत बनाया और प्रोफेशनल सिनेमोटोग्राफर बनने के मेरे सपने को साकार रूप देने में मदद की है।'

माला आई कि निदेशिका सम्रुद्दी पोरे ने हिन्दुस्तान टाइम्स को फिल्म समारोह के दौरान कहा था कि जीफ न केवल नए फिल्म मेकर्स और डायरेक्टर्स को अन्य फिल्म मेकर्स से मिलाने का मौका देता है बल्कि उनको एक मंच भी प्रदान कराता है। और आर्ट ऑफ फिल्म मेकिंग भी सिखाने का अवसर प्रदान करता है। अवार्ड जीतने के बाद उन्होंने बताया कि निश्चित रूप से जीफ में दो अवार्ड मिलना मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि रही जिसका नतीजा है नेशनल फिल्म अवार्ड।

डा. बीजू नेशनल फिल्म अवार्ड पाकर बहुत खुश है वे कहते हैं कि जीफ में हमारी फिल्म का चयन होना भी हमारे लिए बड़ी खुशी की बात थी। आगे भी जीफ में अपनी फिल्मस भेजता रहूंगा।

अब देश–दूनिया के फिल्म मेकर्स का रूझान जीफ की तरफ और बढ़ेगा। बॉलीवुड भी ज्यादा से ज्यादा रूचि ले सकेगा। इस तरह जीफ का एजेन्डा सफल होता नजर आ रहा है। जीफ को अभी तक ग्लैमरस होने से दूर रखा गया था ताकि नींव मजबूत हो सके।

जीफ परिवार इसके लिए प्रतिभागी फिल्म मेकर्स, प्रीव्यू कमेटी और ज्यूरी मेम्बर्स को धन्यवाद देता है कि उनके सहयोग के बिना जीफ इस मुकाम तक नहीं पहुंच सकता था। साथ ही जीफ विश्व फिल्म समुदाय से इस सहयोग और समर्थन को बरकरार रखने की अपील करता है।

इससे एक बात साफ हो गई है कि जीफ से संजीदा व प्रतिभाशाली फिल्म मेकर्स जुड़े हुए हैं। जीफ के मिशन के प्रति उनका भरोसा कायम है। जीफ उनके इस भरोसे को कभी टूटने नहीं देगा।

जीफ 2011 में 67 देशों की भागीदारी ने पहले ही समारोह को एक अंतराष्ट्रीय प्रतिष्ठा व पहचान दिला दी है। अब जीफ दुनिया के श्रेष्ठ समारोहों की कतार में आ खड़ा हुआ है।

हम आए दिन देखते/सुनते हैं कि बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता, अभिनेत्री, निर्देशक नेशनल फिल्म अवार्ड पाने के लिए हर वर्ष जी तोड़ मेहनत करते हैं। पर सफलता नहीं मिल पाती, तो कभी विदेशी समारोहों का रूख करते हैं। अब डरने की बात नहीं है जीफ सबके सपनों को पूरा कर सकेगा। प्रतिभाओं को नई पहचान दिला सकेगा। अब नेशनल फिल्म अवार्ड वाया जीफ जो साबित हो रहे हैं।

जीफ 2009, 10, 11 में अर्वाडेड फिल्मस की स्क्रिनिंग जल्दी ही आम जनता के लिए भी किए जाने की योजना है। इस अवसर पर एक शानदार पार्टी का आयोजन भी किया जाएगा।

फिलहाल जीफ का अंतराष्ट्रीय प्रचार–प्रसार ईरान और कान्स (फ्रांस) में हुआ है। अब अमेरिका, कनाडा तथा भारत में किया जाएगा। अभी तक दुनिया भर से 15 से ज्यादा अंतराष्ट्रीय संगठन/समारोहों ने जीफ के साथ सहभागिता/ क्रोस प्रमोशन के प्रस्ताव भेजे हैं। इन सबसे यह जाहिर होता है कि अब भारत ही नहीं सम्पूर्ण विश्व के फिल्म मेकर्स ने जीफ को एक नए विकल्प के रूप में चुना अथवा समर्थन दिया है और दे रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि जल्दी ही जीफ दुनिया का एक श्रेष्ठ फिल्म समारोह बनकर उभरने वाला है।
अगले महीने जीफ चौकाने वाले कॉन्सेप्टस को जीफ के साथ जोड़ने की घोषणा करने जा रहा है। इसमें एक 'इंटरनेशनल फिल्म फैस्टिवलस एसोसिएशन' है जो दुनिया भर के फिल्म फैस्टिवल और फिल्म मेकर्स के लिए अनुठा प्रयोग होगा।

(जीफ मीडिया रूम)

निदेशक

(हनुरोज)
जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फैस्टिवल
मो. +91–9252259601 +141–6500601